कवन – 5

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

पाठ्यपुस्तक	(Text Book)
अभ्यास पुस्तिका	(Work Book)
व्याकरण	(Grammar)
रचनात्मक लेखन	(Creative writing)

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

प्रस्तुत पुस्तक तथा इसमें निहित समस्त प्रकाशित सामग्री के कॉपीराइट लेखक के अधीन है। अगर कोई भी व्यक्ति इस पुस्तक का नाम, कवर डिजाइन, अन्य सामग्री आंशिक या पूर्ण रूप से अदल–बदलकर या घुमा–फिराकर अथवा किसी अन्य भाषा में प्रकाशित करने या छापने का प्रयास करेगा, तो वह कानूनी रूप से हर्ज़े–खर्चे व हानि का ज़िम्मेदार होगा। न्यायिक क्षेत्र राजकोट रहेगा।

© COPYRIGHT ALL RIGHT RESERVED

Published by : Kavan Education

द्वितीय संस्करण – 2022

सर्वाधिकार सुरक्षित : लेखकाधीन

ISBN : 978-93-5321-227-8

पुस्तक का मूल्य – 595/–

Acknowledgments are due from some of the copyright holders, any omission will be corrected in the future editions.

पहला पन्ना

'कवन' का अर्थ होता है – 'पानी' जो कि निरंतर बहता रहता है। बिना किसी रुकावट के। भाषा और पानी में यही समानता है कि दोनों बहते रहते हैं। दोनों के मूल में ही बहना है। वैसे भी कहा गया है 'कोस–कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी।' इसी को ध्यान में रखते हुए इस शृंखला का नाम 'कवन' रखा गया है। इस पुस्तक में चारों भाषायी कौशल (पठन, लेखन, श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति) को शामिल किया गया है। इस पुस्तक को मूल रूप से चार भागों में बाँटा गया है –

1	प्रकरण	(कविता, कहानी, लेख, एकांकी आदि) (पठन एवं लेखन : Reading and Writing)
2	भाषा और व्याकरण	(पठन एवं लेखन : Reading and Writing)
3	रचनात्मक लेखन	(लेखन : Writing)
3	श्रवण कौशल	(Listening)
4	मौखिक अभिव्यक्ति	(Speaking)

इसके अतिरिक्त पाठ के प्रारम्भ में उसके उद्देश्य (Objective) विचार मंथन (Statement of Inquiry) विचारात्मक प्रश्न (Inquiry Questions) एवं आइए शुरू करें को शामिल किया गया है। पाठ के अंत में स्व मूल्यांकन (Self Assessment) भी दिया गया है, जिससे विद्यार्थी अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकें।

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
Email : info@kavaneducation.com
info.kavaneducation@gmail.com
Mo. : 9909998226, 9825709211

'कवन' में कुछ खास

• उद्‌देश्य	Objectives	:-	प्रकरण प्रारंभ करने से पूर्व उसके उद्‌देश्यों से परिचित करवाना।
• विचार मंथन	Statement of Inquiry	:-	प्रकरण के मुख्य विषय (Theme) पर मंथन।
• विचारात्मक प्रश्न	Inquiry Questions	:-	प्रकरण से पूर्व प्रश्नों के माध्यम से विद्‌यार्थियों की समझ विकसित करना।
• आइए शुरू करें	Let's Begin	:-	प्रकरण प्रारंभ करने से पहले पूर्व भूमिका तैयार करना।
• माइंड मैप	Mind Map	:-	संपूर्ण प्रकरण का क्रमवार सारांश
• शब्द संपदा	Vocabulary	:-	प्रकरण में आए कठिन शब्दों से विद्‌यार्थियों को परिचित करवाना।
• परिचर्चा	Discussion	:-	इस विभाग के माध्यम से विद्‌यार्थी कक्षा में चर्चा करेंगे।
• साहित्यिक विमर्श			इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया है।
• परियोजना कार्य	Project Work	:-	इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को शोध करके अपना परियोजना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करना।
• विचार लेखन		:-	इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को विविध विभागों के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है।
• विचाराभिव्यक्ति		:-	इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थी विविध विचारों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे।
• गतिविधि	Activity	:-	इस विभाग के अंतर्गत विद्‌यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
• स्व मूल्यांकन	Self Assessment	:-	प्रकरण के अंत में विद्‌यार्थी अपनी समझ का मूल्यांकन स्वयं करेंगे।
• मानदंड	Rubrics	:-	विद्‌यार्थी अपने किए गए कार्य की जाँच मानदंडों के आधार पर करेंगे।

अनुक्रमणिका

गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)

क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	हिंद देश के निवासी (विनय चंद्र मौद्गल्य)	गीत	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	01
2	हुआ यूँ कि (भीष्म साहनी)	हास्य–व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	07
3	मिट्ठू (मुंशी प्रेमचंद)	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	13
4	हॉकी के जादूगर ध्यानचंद	लेख	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	19
5	किताबें (सफ़दर हाशमी)	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	26
6	बस की यात्रा	हास्य–व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	31
7	तारे ज़मीन पर	फिल्म समीक्षा	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	39
8	कृष्ण सुदामा	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	46

व्याकरण (Grammar)

1	संज्ञा (Noun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	53
2	सर्वनाम (Pronoun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	56
3	विशेषण (Adjective)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	60
4	क्रिया (Verb)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	64
5	काल (Tenses)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	67
6	विराम चिह्न (Punctuation)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	69
7	उपसर्ग (Prefix)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	71
8	प्रत्यय (Suffix)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	72
9	लिंग (Gender)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	73
10	वचन (Number)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	75
11	अनुस्वार और अनुनासिक	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	77
12	'कि/की' का प्रयोग	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	79
13	'र' के विविध प्रयोग	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	81

14	अनेक शब्द के लिए एक शब्द (One word substitution)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	82
15	विलोम शब्द (Antonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	83
16	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	84
17	मुहावरे (Idioms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	85

रचनात्मक लेखन (Creative Writings)			
1	निबंध लेखन (Essay Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	89
2	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	94
3	चित्र वर्णन (Picture composition)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	102
4	पत्र लेखन (Letter Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	107
5	संवाद लेखन (Dialogue Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	111
6	कहानी लेखन (Story Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	114

श्रवण कौशल (Listening Skills)			
1	वार्तालाप/संवाद/उद्घोषणा (Conversation/Dialogue/Announcement)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	119
2	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	120
3	साक्षात्कार (Interview)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	121
4	फिल्म समीक्षा (Film Review)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	123

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)			
1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)	125

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)			
1	दृश्य अवलोकन कौशल	दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)	128

भाषायी कौशल - (Language Skills)

- भाषा कौशल
  - ग्रहण
    - सुनकर (श्रवण कौशल)
    - पढ़कर (वाचन कौशल)
  - अभिव्यक्ति
    - बोलकर (मौखिक कौशल)
    - लिखकर (लेखन कौशल)

पठन कौशल (Reading Skills)

पठन का अर्थ सिर्फ पढ़ने से नहीं है, बल्कि हम जो भी पढ़ रहे हैं, उसे समझने से है। पठन का अर्थ, लिखी हुई सामग्री को को पढ़ते हुए उसका अर्थ ग्रहण करना।

पठन कौशल के उद्देश्य–

- विद्यार्थियों को उचित गति, लय, आरोह–अवरोह, विराम–चिह्नों का उचित ज्ञान कराकर पठित सामग्री का केंद्रीय भाव ग्रहण करवाना।
- प्रसन्नता, आश्चर्य, भय, शोक आदि भावों के साथ पढ़ना।
- मुहावरों, लोकोक्तियों व सूक्तियों के संदर्भ के अनुसार अर्थ समझना।
- स्पष्ट व शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ पढ़ना।
- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- ध्यान केंद्रित करके विषयवस्तु को पढ़ना।
- पाठ्य–सामग्री के केंद्रीय भाव को समझना।

पठन के प्रकार–

- पठन
  - सस्वर पठन
    - व्यक्तिगत पठन
      - आदर्श वाचन
      - अनुकरण वाचन
    - सामूहिक पठन
  - मौन पठन
    - गहन वाचन
    - द्रुत वाचन

पठन कौशल की शिक्षण विधियाँ–

पठन कौशल की शिक्षण विधियाँ निम्न प्रकार हैं।

1	वर्णोच्चार विधि	2	अक्षर बोध विधि	3	अनुकरण विधि
4	साहचर्य विधि	5	ध्वनि साम्य विधि	6	वाक्य शिक्षण बोध
7	कहानी विधि	8	सामूहिक विधि		

गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

पठन कौशल
(Reading Skills)

- हिंद देश के निवासी
- हुआ यूँ कि
- मिट्ठू
- हॉकी के जादूगर
- किताबें
- बस की यात्रा
- तारे ज़मीन पर
- कृष्ण सुदामा

तारे ज़मीन पर

उद्देश्य :–

इस फिल्म समीक्षा को पढ़ने के बाद :–

- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास होगा।
- सहनशील बनने की प्रेरणा मिलेगी।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति व मानसिक योग्यता का विकास होगा।
- हृदय के कोमल पक्ष को समझ पाएँगे।

विचार मंथन (Statement of Inquiry) :–

- बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। हम जैसा चाहे उन्हें ढाल सकते हैं। बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए हमें उन्हें अधिक से अधिक अवसर देने चाहिए।

विचारात्मक प्रश्न (Inquiry Questions) :–

- सामान्य शिक्षण की तुलना में गतिविधि आधारित शिक्षण किस प्रकार मददगार होता है ?
- खेल और पढ़ाई किस प्रकार एक दूसरे के पूरक हैं ?
- भाषा शिक्षण हमारे व्यक्तित्व विकास में किस प्रकार सहायक है ?

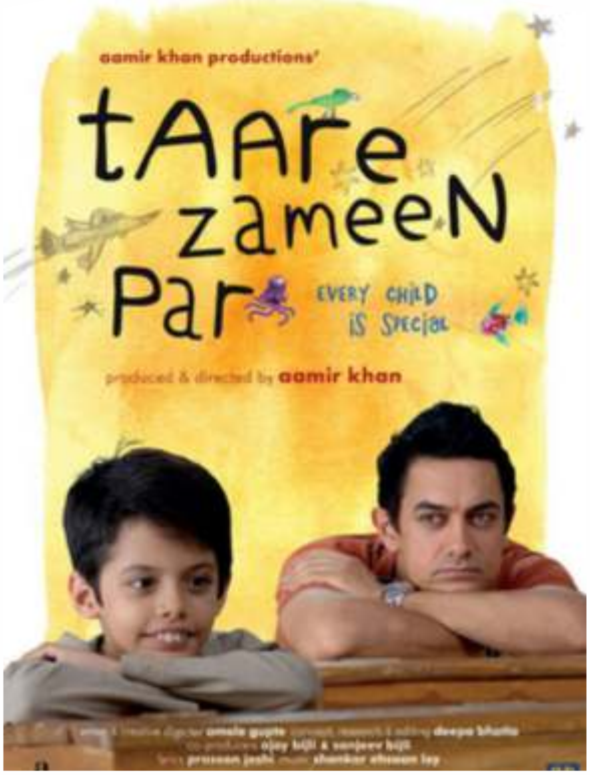

निर्माता–निर्देशक	आमिर खान
गीत	प्रसून जोशी
संगीत	शंकर–अहसान–लॉय
कलाकार	आमिर खान, दर्शिल सफारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा, सचेत इंजीनियर

आइए शुरू करें :–

प्रस्तुत फिल्म समीक्षा में यह बताया गया है कि सभी विद्यार्थी एक समान नहीं होते। सभी में अलग–अलग प्रतिभा छिपी होती है। किंतु हमारी शिक्षा प्रणाली इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं देती। समाज भी इसे व्यवसाय से जोड़ता है। जिसके परिणाम–स्वरूप अभिभावक अपने बच्चों पर अधिक दबाव डालते हैं। वहीं एक गुणी शिक्षक विद्यार्थी के जीवन को प्रकाशमय कर देता है। आइए मिलते हैं ऐसे ही एक गुणी शिक्षक निकुंभ सर से –

तारे ज़मीन पर

बच्चे ओस की बूँदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रायः घर–घर से 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। कई लोग यह नहीं सोचते कि बच्चों के मन में क्या है ? वे क्या सोचते हैं ? उनके क्या विचार हैं ?

इन्हीं प्रश्नों को आमिर खान ने अपनी फिल्म 'तारे ज़मीन पर' में उठाया है' फिल्म की कहानी इस प्रकार है–

आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शिल सफारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है। उसके माता–पिता चाहते हैं कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलता। ईशान घर पर माता–पिता की डाँट खाता है और स्कूल में अध्यापकों की। सभी उसकी तुलना उसके बड़े भाई से करते हैं जो कि पढ़ाई–लिखाई और खेलकूद में बहुत अच्छा होता है। कोई भी यह जानने की कोशिश नहीं करता कि ईशान पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। इसके बजाय वे ईशान को बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं।

खिलखिलाता ईशान वहाँ जाकर मुरझा जाता है। वह हमेशा सहमा और उदास रहने लगता है। उसे अपने घर की बहुत याद आती है। उस पर निगाह जाती है 'कला अध्यापक' रमाशंकर निकुंभ (आमिर खान) की। निकुंभ सर उसकी उदासी का पता लगाते हैं और उन्हें पता चलता है कि ईशान बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन डिस्लेक्सिया की समस्या से पीड़ित है। उसे अक्षरों को पढ़ने में तकलीफ होती है लेकिन, ईशान के पिता इस बात को नहीं मानते। अपने प्यार और दुलार से निकुंभ सर ईशान के अंदर छिपी प्रतिभा सबके सामने लाते हैं।

कहानी सरल है, जिसे आमिर खान ने बेहद प्रतिभाशाली ढंग से परदे पर उतारा है। पटकथा की बनावट एकदम चुस्त है। छोटे–छोटे भावनात्मक दृश्य रखे गए हैं। जो सीधे दिल को छू जाते हैं।

ईशान का स्कूल से भागकर सड़कों पर घूमना, ताज़ी हवा में साँस लेना, इमारत को रंग होते देखना। फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों को आज़ादी से खेलते देखकर उदास होना। बरफ़ का गोला खाना जैसे दृश्यों को देखकर कई लोगों को अपने बचपन की याद ताज़ा हो जाती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि ईशान के माध्यम से बच्चों में छिपी प्रतिभा सुंदर ढंग से उभारी गई है। फिल्म के अंत में इसका परिचय ईशान की चित्रकारी से होता है। चित्रकारी प्रतियोगिता में उसे प्रथम पुरस्कार मिलता है। इसी दृश्य में आमिर ने उसकी मासूमियत को अपने चित्र से उभारा है। इस चित्र को भी पुरस्कार दिया जाता है। इस तरह शिष्य अपने अध्यापक की प्रेरणा से किस तरह आगे बढ़ सकता है, उसका प्रमाण ही यह फिल्म है।

ईशान की भूमिका में दर्शिल सफारी इस फिल्म की जान है। विश्वास ही नहीं होता कि यह बच्चा अभिनय कर रहा है। मासूम से दिखने वाले इस बच्चे ने भय, क्रोध, उदासी और हास्य के हर भाव को अपने चेहरे से दर्शाया है। शायद इसीलिए उसे संवाद कम दिए गए हैं। फिल्म का संगीत भी बहुत ही अच्छा है।

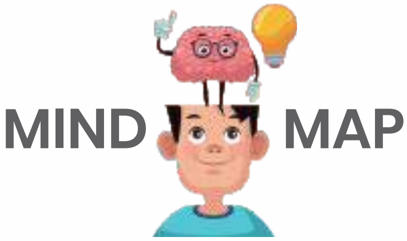

आठ वर्षीय ईशान का मन पढ़ाई में नहीं लगता है।

घर पर माता–पिता विद्यालय में अध्यापक उसे डाँटते हैं। सभी उसकी तुलना उसके बड़े भाई से करते हैं।

माता–पिता उसे बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं। वहाँ पर वह बहुत उदास रहने लगता है।

सहमे से रहने वाले ईशान पर निकुंभ सर की नज़र पड़ती है। वे उसके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानते हैं।

विद्यालय में एक चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन होता है। जिसमें ईशान को प्रथम पुरस्कार प्राप्त होता है।

शब्द संपदा

ओस – भाप का रूप जो जल बिंदु में बदल जाए
सहमा – डरा हुआ
प्रतिभाशाली – जिसमें प्रतिभा हो
दुलार – स्नेहपूर्ण व्यवहार
पटकथा – मुख्य कथा
मासूमियत – मासूम होने का भाव
प्रमाण – सबूत, साक्षी

प्रश्न – 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क – ईशान कैसा बालक है ?

ख – बच्चों के प्रति निकुंभ सर के विचार कैसे हैं ?

ग– बच्चों के जीवन में पाठशाला की क्या भूमिका होनी चाहिए ?

घ– 'तारे ज़मीन पर' फिल्म समीक्षा का निष्कर्ष क्या है ?

प्रश्न– 2 फिल्म समीक्षा को समझकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सही उत्तर के आगे (✓) का निशान लगाइए।

अ– आजकल प्रायः घर–घर में 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। ऐसा क्यों कहा गया है ?

क– सभी माता–पिता अपने बच्चों को प्रथम स्थान पर देखना चाहते हैं। ( )

ख– सभी माता–पिता अपने बच्चों को सभी कार्य स्वयं करने की खुली छूट देते हैं। ( )

ग– वे अपने बच्चों को अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। ( )

घ– वे बच्चों के अंक के स्थान पर उनकी पसंद को प्राथमिकता देते हैं। ( )

आ– ईशान का मन पढ़ाई में नहीं लगता–

क– क्योंकि उसे खेलना–कूदना पसंद है। ( )

ख– वह डिस्लेक्सिया नामक बीमारी से ग्रस्त हैं। ( )

ग– क्योंकि वह अपने भाई जैसा नहीं बनना चाहता। ( )

घ– वह जान–बूझकर बहाने बनाता है। ( )

इ– ईशान के माता–पिता उसे बोर्डिंग स्कूल भेजते हैं–

क– क्योंकि वे उसे प्यार नहीं करते। ( )

ख– वे चाहते हैं कि उसे पढ़ाई का बेहतर माहौल मिले। ( )

ग– जिससे बड़ा होकर वह उनका व्यवसाय सँभाले। ( )

घ– उसकी संगत का असर उसके भाई पर न पड़े। ( )

ई– ईशान को बोर्डिंग्स स्कूल पसंद नहीं आया ?

क– क्योंकि वहाँ सब उसे डाँटते थे। ( )

ख– उसे घर की बहुत याद आती थी। ( )

ग– उसे वहाँ का माहौल पसंद नहीं था। ( )

घ– वहाँ सब बच्चे उसे चिढ़ाते थे। ( )

उ– निकुंभ सर ईशान को समझाते थे –

क– प्यार से ( )

ख– डाँट–फटकार के ( )

ग– गुस्से से ( )

घ– उसके माता–पिता से शिकायत करके ( )

प्रश्न– 3 पाठ में से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए –

क– ____________ ख– ____________

ग– ____________ घ– ____________

च– ____________ छ– ____________

ज– ____________ झ– ____________

प्रश्न– 4 नीचे दिए गए शब्दों के करीबी अर्थ दाईं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्ठक में लिखें।

1–	शुद्ध		क– परिणाम
2–	कोशिश		ख– मुकाबला
3–	नतीजा		ग– निर्मल
4–	समस्या		घ– इनाम
5–	प्रतिभा		च– गुस्सा
6–	पुरस्कार		छ– तकलीफ
7–	तुलना		ज– डर
8–	पीड़ित		झ– त्रस्त
9–	भय		ट– प्रयास
10–	क्रोध		ठ– हुनर

प्रश्न– 5 खाली जगह भरिए– (प्रमाण, डाँट, पढ़ने, मन, बनावट, याद)

क– कई लोग यह नहीं सोचते कि बच्चों के ________ में क्या है ?

ख– ईशान घर पर माता–पिता की ________ खाता है।

ग– उसे अपने घर की बहुत ________ आती है।

घ– उसे अक्षरों को ________ में तकलीफ होती है।

च– पटकथा की ________ एकदम चुस्त है।

छ– उसका ________ ही यह फिल्म है।

प्रश्न– 6 उचित स्थान पर नुक़्ता लगाकर शब्द दोबारा लिखिए–

क– आजादी ________

ख– बरफ ________

ग– ताजी ________

घ– जमीन ________

प्रश्न– 7 ‘र’ के रूपों के दो–दो शब्द लिखिए –

र ज़रा – ________ ________

् क्रम – ________ ________

र्‍ कर्म – ________ ________

ॖ राष्ट्र – ________ ________

मेरी (ईशान की) नज़र से

ईशान नंदकिशोर अवस्थी : मेरा नाम ईशान है और मैं आठ वर्ष का हूँ। मुझे कुत्ते, मछलियाँ, चमकती चीजें, रंग और पतंग बहुत पसंद हैं। मैं बहुत बिंदास हूँ। चित्र बनाना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैं बोर्डिंग स्कूल नहीं जाना चाहता हूँ। मैं वादा करता हूँ कि मैं मन लगाकर पढ़ाई करूँगा।

माया अवस्थी : मेरी मम्मी। मुझे बहुत प्यार करती है। मैं भी उन्हें खूब चाहता हूँ। वह मेरे लिए खाना बनाती हैं। जब मुझे चोट लगती है तो मेरी देखभाल करती हैं। मेरी बोर्डिंग स्कूल जाने वाली बात उन्हें बुरी लग रही है, परंतु उनका मानना है कि यही मेरे लिए सही है।

नंदकिशोर अवस्थी : ये मेरे पापा हैं। वे रोज़ ऑफिस जाते हैं और खूब मेहनत करते हैं। कभी–कभी मेरे लिए उपहार भी लाते हैं। जब मेरे स्कूल टीचर मेरी शिकायत करते हैं तो वे बेहद गुस्सा हो जाते हैं। पापा का कहना है कि बोर्डिंग स्कूल जाकर ही मैं अनुशासन सीख पाऊँगा।

योहान अवस्थी : ये हैं मेरे भाई, जिन्हें मैं दादा कहता हूँ। दादा बहुत अच्छे विद्यार्थी हैं। उन्होंने ढेर सारे पुरस्कार जीते हैं। मुझे उन पर गर्व है। वे भी मेरी देखभाल करते हैं और मुझे प्यार करते हैं।

राजन दामोदरन : राजन मेरा सबसे पक्का दोस्त हैं। वह बहुत बुद्धिमान है और शिक्षकों के सारे सवालों का जवाब उसके पास है। वह हमेशा मेरी मदद करता है।

मेरे शिक्षक : वे हमेशा मेरे साथ दुर्व्यवहार करते हैं। मेरी कॉपी में लाल निशान लगाना उन्हें बेहद पसंद है।

रमाशंकर निकुंभ : निकुंभ सर बहुत अच्छे हैं। वे दूसरे शिक्षकों की तरह कभी नहीं डाँटते। उनके चेहरे पर सदा मुस्कान रहती है। उन्हें भी मेरी तरह रंग, मछलियाँ और चित्र बनाना पसंद है।

परिचर्चा

इस फिल्म में अगर आप कोई किरदार निभाते तो वो कौन सा होता और क्यों? इस विषय पर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

साहित्यिक विमर्श

गुरु के महत्व को दर्शाने वाले किन्हीं तीन दोहों को खोजकर पढ़िए।

परियोजना कार्य

शिक्षक-विद्यार्थी के संबंधों को दर्शाने वाली किन्हीं पाँच हिंदी फिल्मों की सूची बनाइए।

विचार लेखन

खेलों को भी पढ़ाई के समान महत्व मिलना चाहिए इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

विचाराभिव्यक्ति

इस फिल्म के कुछ चुनिंदा संवादों को बोलकर रिकॉर्ड कीजिए।

गतिविधि

सभी विद्यार्थी साथ में मिलकर 'चॉक एंड डस्टर' फिल्म देखिए।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	गुरु-शिष्य के संबंध को समझ सकता/सकती हूँ।			
2	सभी बच्चे समान नहीं होते। इस बात से सहमत हूँ।			
3	हर बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य छिपी होती है।			
4	कहानी के उद्देश्य को भली-भाँति समझ चुका/चुकी हूँ।			
5	एक आदर्श गुरु विद्यार्थी को नई दिशा देता है। मैं इस बात से सहमत हूँ।			

व्याकरण एवं शब्दावली
(Grammar and Vocabulary)

- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Pronoun)
- विशेषण (Adjective)
- क्रिया (Verb)
- काल (Tenses)
- विराम चिह्न (Punctuation)
- उपसर्ग (Prefix)
- प्रत्यय (Suffix)
- लिंग (Gender)
- वचन (Numbers)
- अनुस्वार और अनुनासिक
- 'कि/की' का प्रयोग
- 'र' के विविध प्रयोग
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)
- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)
- मुहावरे (Idioms)

काल (Tenses)

राम विद्यालय जाता है।	निशा पढ़ती है।	अजीत खेलता है।
राम विद्यालय गया।	निशा ने पढ़ा।	अजीत खेला।
राम विद्यालय जाएगा।	निशा पढ़ेगी।	अजीत खेलेगा।

इन वाक्यों में 'जाता है', 'पढ़ती है', और 'खेलता है' से पता चलता है कि क्रिया वर्तमान काल में हो रही है। 'गया', 'पढ़ा' और 'खेला' से पता चलता है कि क्रिया (बीते समय) में हो चुकी है। 'जाएगा', 'पढ़ेगी' और 'खेलेगा' से पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय (भविष्यत् काल) में होगी।

क्रिया के जिस रूप से किसी काम के करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

काल के भेद – क्रिया के घटित होने के आधार पर काल के तीन भेद है।

1 – वर्तमान काल– क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान में होने का बोध हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण :– बच्चे खेल रहे हैं।

2 – भूत काल– क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान में होने का बोध हो, उसे भूत काल कहते हैं।

उदाहरण :– बच्चे खेल रहे थे

3 – भविष्यत् काल– क्रिया के जिस रूप से कार्य के आगे आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

उदाहरण :– बच्चे खेलेंगे।

अभ्यास

क– वाक्य परिवर्तित कीजिए।

1 – वर्तमान काल – ____________________

भूतकाल – मुझे दादा जी ने नसीहत दी।

भविष्यत् काल – ____________________

2– वर्तमान काल – ______________________

भूतकाल – ______________________

भविष्यत् काल – मैं स्कूल में पढ़ूँगा।

3– वर्तमान काल – ______________________

भूतकाल – ______________________

भविष्यत् काल – उसका शिकार उसके सामने होगा।

4– वर्तमान काल – ______________________

भूतकाल – दिव्यांशी बुरी तरह से घबरा गई थी।

भविष्यत् काल – ______________________

ख– इन वाक्यों को निर्देशानुसार बदलो

1– दो दोस्त समुद्र के किनारे टहल रहे थे। (वर्तमान काल में बदलो)

____

2– विवाह में बहुत लोग आएँगे। (भूत काल में बदलो)

____

3– माली पौधों को पानी दे रहा है। (भविष्यत् काल में बदलो)

____

ग– सही काल के भेद का चयन कीजिए।

1– शाश्वत पुस्तक पढ़ रहा है। वर्तमान काल ☐ भूतकाल ☐ भविष्यत् काल ☐

2– हम कल दिल्ली जाएँगे। वर्तमान काल ☐ भूतकाल ☐ भविष्यत् काल ☐

3– गाड़ी चली गई थी। वर्तमान काल ☐ भूतकाल ☐ भविष्यत् काल ☐

4– वर्षा हो रही है। वर्तमान काल ☐ भूतकाल ☐ भविष्यत् काल ☐

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं काल की परिभाषा जानता/जानती हूँ।			
2	मैं काल के भेद के बारे में जानता/जानती हूँ।			
3	मैं वर्तमान काल के वाक्यों को भूतकाल और भविष्यत् काल में परिवर्तित कर सकता / सकती हूँ।			
4	मैं भूतकाल के वाक्यों को वर्तमान काल और भविष्यत् काल में परिवर्तित कर सकता / सकती हूँ।			
5	मैं भविष्यत् काल के वाक्यों को वर्तमान काल और भूत काल में परिवर्तित कर सकता / सकती हूँ।			

रचनात्मक लेखन
(Creative Writings)

- निबंध लेखन (Essay Writings)
- अपठित गद्यांश (Unseen Writings)
- चित्र वर्णन (Picture Writings)
- पत्र लेखन (Letter Writing)
- संवाद लेखन (Dialogue Writing)
- कहानी लेखन (Story Writing)

अपठित गद्यांश (Unseen Passaages)

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में लेखनशीलता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में अर्थग्रहण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में भावग्रहण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में चिंतन–मनन की प्रवृत्ति का विकास करना।

अपठित का अर्थ है, जिसे पढ़ा न गया हो। अपठित गद्यांश का अर्थ है, ऐसा गद्यांश जिसे पाठ्यपुस्तकों में नहीं पढ़ा गया है। अपठित गद्यांश के पीछे उद्देश्य विद्यार्थी की अर्थग्रहण क्षमता को विकसित करना है। ऐसे गद्यांशों को पढ़कर समझने, उनका चिंतन–मनन करने तथा उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देने से विद्यार्थी के भीतर भाषा को अभिव्यक्त करने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर देते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें।

1– सबसे पहले दिए गए गद्यांश को सावधानी व एकाग्रता से कम से कम दो बार पढ़िए।

2– संपूर्ण गद्यांश का कथ्य या केन्द्रीय भााव अपने मस्तिष्क में ग्रहण कीजिए।

3– प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गद्यांश में समाहित होता है। अतः एक–एक करके प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में से ढूँढ़कर रेखांकित करें।

4– प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में निहित होते हैं, अतः यदि एक बार उत्तर न मिले तो परेशान होने की आवश्यकता नहीं। एक बार पुनः प्रयास कीजिए। उत्तर अवश्य मिलेगा।

5– प्रत्येक प्रश्न का सटीक, वास्तविक व स्पष्ट उत्तर देने के लिए प्रश्न की मूल प्रकृति को ध्यान में रखिए।

6– उत्तर अपनी भाषा में लिखें। भाषा सरल, सहज, स्पष्ट एवं संप्रेषणनीय होनी चाहिए।

7– उत्तर लिखते समय अपनी ओर से बढ़ा–चढ़ाकर नहीं लिखना चाहिए या अतिरिक्त उदाहरण भी नहीं देना चाहिए।

अपठित गद्यांश – 7

संबंध– तारे ज़मी पर

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

पहली बोलती फ़िल्म 'आलम आरा' बनाने वाले फिल्मकार थे अर्देशिर एम. ईरानी। अर्देशिर ने 1929 में हॉलीवुड की एक बोलती फ़िल्म 'शो बोट' देखी और उनके मन में बोलती फ़िल्म बनाने की इच्छा जगी। पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक को आधार बनाकर उन्होंने अपनी फ़िल्म की पटकथा बनाई। इस नाटक के कई गाने ज्यों के त्यों फ़िल्म में ले लिए गए। एक साक्षात्कार में अर्देशिर ने उस वक़्त कहा था– 'हमारे पास कोई संवाद लेखक नहीं था, गीतकार नहीं था, संगीतकार नहीं था।' इन सबकी शुरूआत होनी थी। अर्देशिर ने फ़िल्म में गानों के लिए स्वयं की धुनें चुनीं। फ़िल्म के संगीत में महज तीन वाद्य– तबला, हारमोनियम और वायलिन का इस्तेमाल किया गया। इस फ़िल्म के पहले पार्श्वगायक बने डब्ल्यू.एम.खान। पहला गाना था– 'दे दे खुदा के नाम पर प्यारे, अगर देने की ताकत है।'

1– पहली बोलती फ़िल्म कौन–सी थी और उसे किसने बनाया था ?

2– उनके मन में बोलती फ़िल्म बनाने की इच्छा क्यों जागी ?

3– वाक्य बनाइए – क– लोकप्रिय ख– फिल्म

4– गद्यांश को आधार बनाकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सही उत्तर के आगे (✓) का निशान लगाइए।

क– 'आलम आरा' फिल्म की पटकथा का आधार गुजराती रंगमंच का नाटक था।( )

ख– फिल्म में कोई गीतकार नहीं था। ( )

ग– फिल्म के संगीत में तीन वाद्य–यंत्रों का इस्तेमाल हुआ है। ( )

घ– फिल्म के गाने की धुनें स्वयं अर्देशिर ने बनाई थी। ( )

अपठित गद्यांश – 8

संबंध– कृष्ण सुदामा

कृष्ण और सुदामा का प्रेम बहुत गहरा था। प्रेम भी इतना कि कृष्ण, सुदामा को रात दिन अपने साथ ही रखते थे। कोई भी काम होता, दोनों साथ–साथ ही करते। एक दिन दोनों जंगल में गए और रास्ता भटक गए। भूखे–प्यासे एक पेड़ के नीचे पहुँचे। पेड़ पर एक ही फल लगा था। कृष्ण ने घोड़े पर चढ़कर फल को अपने हाथ से तोड़ा। कृष्ण ने फल के छह टुकड़े किए और अपनी आदत के मुताबिक पहला टुकड़ा सुदामा को दिया।

सुदामा ने टुकड़ा खाया और बोला, 'बहुत स्वादिष्ट है। ऐसा फल कभी नहीं खाया। एक टुकड़ा और दे दें। दूसरा टुकड़ा भी सुदामा को मिल गया। सुदामा ने एक टुकड़ा और कृष्ण से माँग लिया। इसी तरह सुदामा ने पाँच टुकड़े माँग कर खा लिए। जब सुदामा ने आखिरी टुकड़ा माँगा, तो कृष्ण ने कहा, 'यह सीमा से बाहर है। आखिर मैं भी तो भूखा हूँ। मेरा तुम पर प्रेम है, पर तुम मुझसे प्रेम नहीं करते।' और कृष्ण ने फल का टुकड़ा मुँह में रख लिया। मुँह में रखते ही कृष्ण ने उसे थूक दिया, क्योंकि वह कड़वा था। कृष्ण बोले, 'तुम पागल तो नहीं, इतना कड़वा फल कैसे खा गए ? सुदामा का उत्तर था, 'जिन हाथों से बहुत मीठे फल खाने को मिले, एक कड़वे फल की शिकायत कैसे करूँ ? सब टुकड़े इसलिए लेता गया ताकि आपको पता न चले।'

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

- वार्तालाप/संवाद/उद्घोषणा (Conversation/Dialogue/Announcements)
- कहानी (Story)
- साक्षात्कार (Interview)
- फिल्म समीक्षा (Film Review)

फिल्म समीक्षा

17– जाने–माने फिल्म समीक्षक श्री करन कपूर से सुनिए 'बाहुबली – 2' की समीक्षा को ध्यान पूर्वक सुनिए तथ उसके आधार पर नीचे दिए गए खाली स्थानों को भरिए।

17.1– राजमाता शिवगामी ने उन्हें माहिष्मती का ________ घोषित किया है।

17.2– अमरेन्द्र बाहुबली को ________ पर भेज दिया जाता है।

17.3– बाहुबली की ________ भल्लालदेव को राजा बनने के बाद भी परेशान करती है।

17.4– निर्देशक एस.एस राजमौली ने भारतीय सिनेमा को एक ________ फिल्म दी है।

17.5– दोनों कलाकार अपने किरदारों में ________ हैं।

17.6– राम्या कृष्णन ने ________ शिवगामी के किरदार में प्रभाव छोड़ा है।

17.7– फिल्म का ________ इसका मज़बूत पक्ष नहीं है।

17.8– इस फिल्म को बड़ी स्क्रीन पर न देखने का ________ रहेगा।

श्रवण कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
घटनाक्रम की क्रमानुसार प्रस्तुति	सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की एक–दो घटनाएँ ही याद हैं, वो भी क्रम में नहीं।
शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति में एक–दो स्थान पर ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में तीन–चार बार ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में बार–बार ध्यान भटकता रहा।
मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल
भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	प्रस्तुति की भाषा को ज्यों–त्यों का उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ।			
2	मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका / चुकी हूँ।			
3	मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता / सकती हूँ।			
4	मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ।			

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(Oral Expression Skills / Speaking skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 4

मौखिक परीक्षण के अभ्यास हेतु कुछ विषय–

1– जीवन में खेलकूद का महत्व
2– स्वास्थ्य और व्यायाम
3– कंप्यूटर आज की आवश्यकता
4– मेरे जीवन का लक्ष्य
5– मेरी यादगार यात्रा
6– चलचित्र के लाभ व हानि
7– मेरा बचपन
8– राष्ट्रीय एकता
9– वनों का महत्व
10– स्वदेश प्रेम

मौखिक अभिव्यक्ति के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
बोधगम्यता	प्रस्तुति के सभी मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे।	प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे।
भाषा और वाक्य रचना	विवरण में संयुक्त वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता	विवरण में सरल वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता	विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल। एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमकिता का अभाव	विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमकिता का अभाव
भाषा, शब्दावली का प्रयोग	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं।	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का अभाव। कई स्थानों पर दोहराव।
प्रवाहिता एवं आधार	एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं।	कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच।	अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच	बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ।			
2	मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं प्रस्तुति करते समय समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता/सकती हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ।			

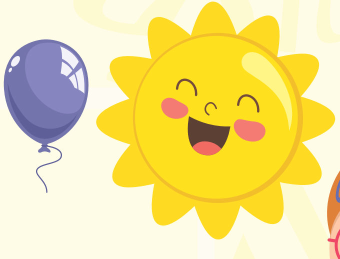

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल – 3

चित्र देखकर सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए।

1– जन्मदिन किसका है ?
क– रोहन ☐ ख– पूर्णिमा ☐ ग– राकेश शर्मा ☐

2– केक पर एक मोमबत्ती क्यों जल रही है ?
क– पहला जन्मदिन होने के कारण ☐
ख– बिना किसी कारण के ☐
ग– चित्र को अच्छा बनाने के लिए ☐

3– जन्मदिन का कार्यक्रम कब आयोजित किया जाएगा ?
क– 11 अगस्त 2021 ☐
ख– 1 अगस्त 2021 ☐
ग– 21 अगस्त 2021 ☐

4– कार्यक्रम का समय क्या है ?
क– 9 बजे ☐ ख– 8 बजे ☐ ग– 7 बजे ☐

5– कार्यक्रम किस शहर में आयोजित किया जा रहा है ?
क– अहमदाबाद ? ☐ ख– दिल्ली ☐ ग– मुंबई ☐

6– कार्यक्रम किस शहर में आयोजित किया जा रहा है ?
क– अहमदाबाद ☐ ख– दिल्ली ☐ ग– मुंबई ☐

7– रोहन के आगे लिखे 'चि.' शब्द का पूरा अर्थ होगा ?
क– चिरंजीवी ☐ ख– चिराग ☐ ग– चित्रकार ☐

8– 'सपरिवार' का अर्थ है ?
क– परिवार के कोई दो सदस्य ☐
ख– परिवार के बिना ☐
ग– परिवार के साथ ☐

9– कार्यक्रम में आने की विनती किसकी ओर से की जा रही है ?
क– राकेश शर्मा और उनके परिवार की ओर से ☐
ख– नविन और और उनके परिवार की ओर से ☐
ग– रोहन और उनके परिवार की ओर से ☐

10–रोहन की माता का क्या नाम है ?
क– पुनीता ☐
ख– पूर्णिमा ☐
ग– पूनम ☐

दृश्य अवलोकन कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
अवलोकन	चित्र/दृश्य का अच्छी तरह से अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का अवलोकन किया है।	चित्र/दृश्य का आंशिक रूप से अवलोकन किया	चित्र/दृश्य का अवलोकन करते समय बहुत सी बातों की ओर ध्यान नहीं दिया।
समझ एवं तार्किकता	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ प्रभाावकारी प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ सामान्य प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को समझकर की गई प्रस्तुति	चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को बिना समझे की गई प्रस्तुति
पठन एवं अर्थग्रहण	चित्र/दृश्य को समझकर उसका उचित अर्थबोध करने में सक्षम।	चित्र/दृश्य को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं चित्र / दृश्य का सही प्रकार से अवलोकन कर सकता / सकती हूँ।			
2	मैं चित्र / दृश्य को देखकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकता / सकती हूँ।			
3	मानदंड के आधार पर मैं चित्र / दृश्य का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ।			

मानक हिंदी वर्णमाला

स्वर	अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ					
अनुस्वार और विसर्ग	अं			अः		
मात्राएँ	ा ि ी ु ू े ै ो ौ					
	(अ की मात्रा नहीं होती)					
	हिंदी में 35 व्यंजन हैं तथा 4 संयुक्त					
व्यंजन	क	ख	ग	घ	ङ	
	च	छ	ज	झ	ञ	
	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़
	त	थ	द	ध	न	
	प	फ	ब	भ	म	
	य	र	ल	व		
	श	ष	स	ह		
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र		
गृहीत/आगत स्वर	ऑ					
गृहीत/आगत व्यंजन	ख़	ज़	फ़			
देवनागरी अंक	१	२	३	४	५	
	६	७	८	९	०	
भारतीय अंकों का	1	2	3	4	5	
अंतरराष्ट्रीय रूप	6	7	8	9	0	